>

Title: Shortage of power in the country.

श्री राजाराम पाल (अकबरपुर): सभापति महोदय, आपने मुझे एक अति लोक महत्व के विषय पर बोलने का समय दिया, इसके लिए मैं आपका आभारी हूं। आज पूरे देश में विद्युत संकट है, यहां तक कि दिल्ली और उसके पॉश इलाके, जो वीआईपी इलाके कहलाते हैं, चाहे नार्थ एवेन्यू हो चाहे साउथ एवेन्यू हो, कभी-कभी इस सदन में भी बिजली गुल हो जाती है। जैसे पहले कहा जाता था कि जल ही जीवन है, आज बिना ऊर्जा के जीवन दुर्लभ हो गया है। पूरे देश में उत्तर प्रदेश एक बड़ा प्रदेश है जहां गंभीर विद्युत संकट है। उत्तर प्रदेश सरकार किसी तरह पावर हाउस खोलने के पक्ष में नहीं है। उसे किसानों से कुछ लेना-देना नहीं है।...(व्यवधान) उत्तर प्रदेश में सरकार को बने हुए तीन साल हो गए हैं। वहां कोई पावर प्रोजैक्ट नहीं लगा।...(व्यवधान) बिजली की कमी के कारण तीन चीनी मिलें बंद हो गई और उन्हें नीलामी के कगार पर खड़ा कर दिया गया है, किसी भी समय नीलामी हो सकती है। उत्तर प्रदेश में कानपुर महानगर की आबादी एक करोड़ है, जिसे एशिया का मैनचैस्टर कहा जाता था।...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Shri Rajaram Pal, your notice is about power shortage in the whole country. So, do not confine it to your constituency.

श्री राजाराम पाल : बिजली की कमी के कारण वहां के उद्योग-धंधे चौपट हो गए हैं। एक साल पहले भारत सरकार ने हमारे संसदीय क्षेत्र घाटमपुर में नेवेली लिगनाइट से यमुना के किनारे पावर प्रोजैक्ट की स्थापना के लिए सर्वे करवाया। जिला प्रशासन ने उसके एक्वायरमेंट के लिए प्रस्ताव करके केबिनेट में भेज दिया। दूसरा पावर प्रोजैक्ट बिल्लौर में एनटीपीसी के माध्यम से लगना था। दोनों की जमीनें एक्वायर करके प्रस्ताव उत्तर प्रदेश केबिनेट में भेज दिया गया। लेकिन पावर हाउस न लगे, इसके लिए उत्तर प्रदेश सरकार में मामले लम्बे समय से लंबित हैं। हम मांग करते हैं कि पुन: एक पत्र लिखकर, अगर उत्तर प्रदेश सरकार किसानों या बिजली के उत्पादन के मामले में संवेदनहीन हो गई है, तो भारत सरकार को हस्तक्षेप करके, अपनी पावर का इस्तेमाल करके घाटमपुर और बिल्लौर में जो पावर प्रोजैक्ट लगना है, दोनों पावर प्रोजैक्ट कानपुर में लगाकर कानपुर को पुन: एशिया के मैनचैस्टर में लाने का प्रयास करें। आज सूखे के कारण पूरे प्रदेश में किसान भुखमरी के कगार पर हैं।...(व्यवधान) अगर लोगों को बिजली मिलेगी तो निश्चित तौर पर किसान उबरेगा और जब किसान खुशहाल होगा तो प्रदेश खुशहाल होगा। मैं आपके माध्यम से मांग करता हूं कि ऐसी सरकार जो किसानों के प्रति संवेदनहीन है, पावर प्रोजैक्ट लगाने के पक्ष में नहीं है, पुन: हस्तक्षेप करके...(व्यवधान) उत्तर प्रदेश में आपकी सरकार है। सरकार को चाहिए कि दोनों पावर प्रोजैक्ट के लिए जल्दी से केबिनेट में संस्तुति दें।

सभापति महोदय : राजाराम जी, आप प्लीज़ बैठिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री राजाराम पाल : आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, इसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।